My dear Vidya,

Frankly, I have no idea whatsoever about the campaign in Muzaffarpur. There has been no news since they filed my nomination. I'm told they need 7 jeeps and a lot of money. A friend mentioned that you were planning to go to the constituency. If you have not already gone, please go at once. Also do whatever you can about the transport and money problems. Take as many friends with you as possible, and stay there till the elections are over.

Whatever third-hand reports reach me say that there is great enthusiasm about my candidature. But what about the organisation? And resources? Muzaffarpur is one of the most backward areas. There must hardly be any money locally available. And I'm not in a position to do anything.

This may be the last opportunity for some of us to restore what we lost on June 26, '75. Whatever sacrifice in money and comfort made for this cause need not be considered in too great. I hope you and other friends will do their best.

All the best to Rajni & the children.

Affly

[signature]

MEMBER OF PARLIAMENT
(Rajya Sabha)

सत्यमेव जयते

4 Talkatora Road
New Delhi
5/8/77

Dear Vidya,

It is a good coincidence that I had a chance meeting with Atal Behari Vajpayee (he just arrived yesterday from his foreign trip) in the library. I immediately took the opportunity to tell him about the hardship of Pulin Dada in the Bangladesh jail. He immediately assured me to ask Jagat Mehta who has gone over to Dacca for talks with his counterpart in Bangladesh to get necessary information about Pulin Da & do the needful in the matter. You know that Jagat Mehta happens to be the Secretary of the External affairs

ministry I am glad that you have reminded me of that which [illegible] at the correct moment. Let us take it to the logical conclusion.

I hope yourself & Rajani & children are ok.

More when we meet.

Sincerely

Rabi

FIRST FOLD HERE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

INDIA 20

Sri Vijay [illegible]
101 [illegible]
Flat no. 51
Calcutta

PIN CODE

THIRD FOLD HERE

Sender's Name and address

PIN CODE

NO ENCLOSURES ALLOWED

मुजफ्फरपुर को जनता के नाम
जार्ज फर्नाडीस का पत्र

जनता पार्टी, अपने साथियों और विशेषकर जयप्रकाशजी के आग्रहपर मैं इस चुनावमें मुजफ्फरपुरसे खड़ा हूं। मुझे बहुत अफसोस है कि अभीभी जेलमें रहनेके कारण मैं आप लोगोंके समक्ष हाजिर नहीं हो सकता हूं।

अगर आप लोगोंके बीचमें बोलनेका मौका मिलता तो राष्ट्रके सामने जो समस्यायें हैं और उनके हलके बारेमें मेरे और हमारे दलके जो विचार हैं उन्हें विस्तारपूर्वक पेश करता। तानाशाही बनाम प्रजातंत्र इस चुनावका एक महत्वपूर्ण विषय जरूर है, फिर भी, जनता पार्टीके सरकारमें आनेपर प्रजातांत्रिक संस्थाओंको मजबूत बनानेके लिये और हमारे देशमें फिर कभी तानाशाही पैदा न हो सकेके लिये क्या कदम उठायेगी इसपरभी मैं विस्तारमें आप लोगोंसे चर्चा करना चाहता था। देशकी जनसमस्याओंको — विशेषकर बेरोजगारी, क्षेत्रीय विषमता, कारखानेके और खेतिहर मालके दामोंमें संतुलन, ग्रामीण विकास आदी समस्याओंपर हमारे वैकल्पिक कार्यक्रम क्या होंगे इसपर भी हम बातचीत करते। लेकिन तानाशाहीकी इच्छा है कि मुझे आप लोगोंसे इन विषयोंपर चर्चा करनेका मौका नहीं मिले।

मैंने सरकारको जेलसे लिखा था कि मुझे अपने चुनाव क्षेत्रमें जानेके लिये चुनाव अभियानतक रिहा किया जाय। लेकिन मेरी विनंतीको ठुकराया गया। फिर भी सरकारके प्रवक्ता चुनावके मुक्त और निष्पक्ष होनेकी रोज घोषणा कर रहे हैं। अपने मतदाताओंसे संपर्क करने के लिये कोई सहूलियत भी मुझे नहीं दी जा रही है। ऐसी

स्थितिमें मुजफ्फरपुरका चुनाव अभियान उसी क्षेत्रके लोगोंको ही चलाना पड़ेगा। मेरे मित्र, साथी और जनता दलके नेता जरूर आपके क्षेत्रमें पहुंचेंगे और ऊपर लिखित समस्याओंको चर्चा भी करेंगे।

मैं इस पत्र द्वारा इतना ही कहना चाहता हूं कि मेरा सारा जीवन शोषित-पीड़ित जनताके संघर्ष चलानेमें बीता है, और जेलमें रहते अथवा बाहर, संसदमें अथवा उसके बाहर, सरकारमें रहते अथवा विरोधमें, मुजफ्फरपुरकी, बिहारकी, और देशकी जनताकी समस्याओंका हल करनेवाले संघर्षोंके लिये

जनता पार्टीके उम्मीदवारके नाते आप मुझे वोट तो देंगे ही, लेकिन आपके क्षेत्रका चुनाव, जिसपर सारी दुनियाकी नजर लगी हुई है, एक नया रेकार्ड स्थापित करनेवाला चुनाव हो यह भी आप सब ख्यालमें रखें। जनताके अधिकारों और आजादीके लिये तानाशाहीके विरुद्ध आंदोलन चलाता रहा इसलिये आज मेरे हाथोंमें बेड़ियां लगाई जाती हैं और जंजीरोंसे बांधकर मुझे अदालत ले जाया जाता है। ये बेड़ियां और जंजीरें आप तोड सकते हैं, और मुझे विश्वास है कि आप तोडेंगे।

तिहाड़ सेन्ट्रल जेलके सर्वाधिक पहरेवाले वार्डमेंसे मैं आप सब लोगोंके लिये कामयाबीकी कामना कर रहा हूं। इस चुनावमें कामयाबी मुजफ्फरपुरकी जनताकी ही कामयाबी है। मैं तो निमित्त मात्र हूं।

तिहाड़ जेल, नई दिल्ली
26 फरवरी, 1977

आपका
जॉर्ज फर्नांडिस

जनता पार्टी, मुजफ्फरपुर द्वारा प्रकाशित